भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

दैनिक जागरण

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 02.04.2019

दिग्गजों को टक्कर देगी आइआइटी की 'टीम अवरेरा'

जासं, वाराणसी : दुनिया के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच आइआइटी बीएचयू के विद्यार्थी अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए फिर तैयार हैं। मलेशिया में 29 अप्रैल से दो मई तक आयोजित शेल इको मैराथन के लिए आइआइटी की टीम अवरेरा ने प्रविष्टि के रूप में इलेक्ट्रिक प्रोटोटाइप कार भेजी है। इससे वे न सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे, बल्कि मेधा का प्रदर्शन कर देश का मान भी बढ़ाएंगे। शेल इको-मैराथन-2019 में हिस्सा लेने टीम 'अवरेरा' 27 को मलेशिया पहुंचेगी। पिछले वर्ष चेन्नई में आयोजित शेल इको मैराथन (इंडिया)-18 में आइआइटी के सेंटर फॉर एनर्जी एंड रिसोर्स डेवलपमेंट (सीईआरडी) के तहत शोध कर रहे छात्रों

की टीम अवरेरा ने परचम लहराया था।

नवीनतम तकनीक का किया उपयोग : सीईआरडी के समन्वयक प्रो. एसएसके सिन्हा ने बताया कि सेंटर फॉर एनर्जी एंड रिसोर्सेज डेवलपमेंट के तहत काम करने वाली अंडर ग्रेजुएट ऑटोमोबाइल रिसर्च टीम 'अवरेरा' ने अल्ट्रा एनर्जी एफिशिएंट इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को डिजाइन व डेवलप करने में नवीन तकनीक प्रयुक्त की है।

टीम में शामिल हैं 15 सदस्य: टीम में संस्थान के विभिन्न विषयों के कुल 15 सदस्य हैं। टीम ने अब तक अपने वाहन को भारत के सबसे अधिक ऊर्जा कुशल इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में स्थापित किया है। संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन ने टीम की शुभकामनाएं दी हैं।

ऊर्जा बचत वाले वाहन बनाना उद्देश्य: प्रो. सिन्हा ने बताया कि यह एक पैन -कॉन्टिनेंट एनर्जी एफिशिएंसी प्रतियोगिता है, जो कॉलेजों में विद्यार्थियों को एनर्जी एफिशिएंट व्हीकल विकसित करने के लिए चुनौती देती है। अब तक टीम अवरेरा ने चार तरह के प्रोटोटाइप विकसित किए हैं।

गत वर्ष तीन श्रेणियों में जीत: टीम अवरेरा की पहली जीत शेल इको -मैराथन एशिया के 2017 संस्करण में रही, जहां टीम ने 131.8 किमी/किलोवॉट प्रतिघंटे की दक्षता दर्ज करते हुए एशिया में 11वां स्थान पाया था। शेल इको-मैराथन एशिया-2018 में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टीम ने 150 प्रतिशत से अधिक सुधार के साथ 349.6 किमी/किलोवॉट ऑवर की दक्षता हासिल करने के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। दिसंबर 2018 में चेन्नई में शेल इको-मैराथन, इंडिया में टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार में से तीन श्रेणियों में पुरस्कार जीता।